Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding plan to tackle the negative impact of Corona virus menace on Indian economy- Laid

श्री विवेक नारायण शेजवलकर (ग्वालियर): कोरोना वायरस को भारत में फैलने से रोकने हेतु भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रभावी कदम उठाये गये हैं । विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की चिंता व उनकी भारत वापसी हेतु विदेश मंत्रालय द्वारा की गई व्यवस्थायें सराहना की पात्र हैं । इस आपदा से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा समय पर उठाये गये कदमों का यह परिणाम है कि स्थिति पूर्ण नियंत्रण में है ।

इस आपदा ने पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है । जब ऐसा लग रहा था कि मंदी के दौर से उबरने के आसार नजर आ रहे हैं, फिर से संकट के बादल गहराने लगे हैं । चीन में लगभग 75 करोड़ आबादी घरों में बंद रहने के लिए मजबूर है और 18 बड़े शहरों में औद्योगिक संस्थानों में उत्पादन लगभग बंद है ।

भारत के औद्योगिक क्षेत्र के अनेकों सेक्टर चीन द्वारा निर्यात कि ये जाने वाली वस्तुओं पर निर्भर हैं । भारत उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में अपना 43 प्रतिशत आयात चीन से करता है । ऑटोमोबाइल सेक्टर, वस्त्र उद्योग, दवा उद्योग आदि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर चीन से आयात पर निर्भर है । चीन में औद्योगिक गतिविधियां धीमी पड़ने का प्रभाव भारत के उद्योगों पर पड़ेगा । भारत का पर्यटन व्यवसाय भी प्रभावित होगा । मनोरंजन के क्षेत्र में भारतीय फिल्मों के चीन में बढ़ते व्यवसाय पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा । भारत का चीन को निर्यात भी प्रभावित होगा । ऐसा माना जा रहा है कि चीन को वर्तमान स्थिति से उबरने के लिए कम से कम 6 माह का समय लगेगा । इस कारण भारत के मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को रोकने हेतु सरकार को आवश्यक कदम उठाने होंगे । चीन पर निर्भरता कम करने हेतु दीर्घकालीन

योजना पर कार्य प्रारम्भ करना हमारी अर्थव्यवस्था को और अधिक सशक्त बनायेगा ।